

Signature and Name of Invigilator

Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--

  
(In figures as per admission card)

1. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_

2. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_

Roll No. \_\_\_\_\_  
(In words)

Test Booklet No.

**J-1809**

**PAPER – III  
MAITHILI**

**[Maximum Marks : 200**

**Time : 2½ hours]**

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 26

**Instructions for the Candidates**

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

**No Additional Sheets are to be used.**

3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

(i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

(ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.

4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. Use only Blue/Black Ball point pen.
9. Use of any calculator or log table etc. is prohibited.

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

**इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।**

3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

(i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

(ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।

4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. केवल नीले / काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।

**MAITHILI**

**मैथिली**

**PAPER – III**

**प्रश्न-पत्र – III**

**NOTE:** This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein. Candidates are required to answer all questions in Maithili only.

**नोट :** प्रस्तुत प्रश्नपत्र दू सय (200) अंकक अछि एवं एहिमे चारि (4) खण्ड अछि। अभ्यर्थीकेँ एहिमे समाहित प्रश्नक उत्तर फराकसँ देल गेल विस्तृत निर्देशक अनुसार देबाक छनि। सभ प्रश्नक उत्तर मैथिली मे देबाक अछि।

## SECTION - I

### खण्ड – I

**Note :** This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

**नोट :** एहि खण्ड में निम्नलिखित गद्यांश पर देल गेल पाँच(5) प्रश्न अछि। प्रत्येक प्रश्नक उत्तर लगभग तीस (30) शब्दमे अपेक्षित अछि। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकक अछि।

(5x5=25 अंक)

एकता आ राष्ट्रक शक्तिमे अभिन्न सम्बंध अछि। कोनो राष्ट्र तावत हष्ट-पुष्ट आ बलिष्ठ नहि कहल जा सकैत अछि यावत ओकर विभिन्न अंगमे पारस्परिक एकात्मकता नहि होइक। ओना तँ मनुष्य रूप, रंग, जाति-धर्म योग्यता स्वभाव आदिमे एक दोसरासँ भिन्न-रहैत अछि, परञ्च व्यापक रूपमे ओहि सभमे एक प्रकारक आभ्यन्तरिक एकता रहैत छैक जे समान लक्ष्य दिस प्रेरित करबामे एहि सभ विभिन्नताकेँ गौण बना दैत छैक। इऐह आभ्यन्तरिक एकता थिक एकात्मकता, जाहि पर राष्ट्रक विकास आ सुरक्षा निर्भर रहैत छैक। साधारणतया ई देखबामे अबैत अछि जे उपयुक्त विभिन्नता सभक विकाससँ असन्तोष वैमनस्य आदिक प्रादुर्भाव होइत रहैत अछि आ ओहि पर देशक घटनाचक्र घुमैत रहैत अछि। एहि प्रक्रियाक सीमा बदलैत रहैत अछि व्यक्तिसँ लऽकऽ देश धरि। परन्तु एहिसँ ई नहि बुझबाक चाही जे एहि क्रियासँ राष्ट्रक रक्षक आभ्यन्तरिक एकताक लोप भऽ जाइछ।

जहाँ धरि भारतक सम्बंध अछि, अत्यन्त प्राचीन कालसँ आइ धरि विभिन्नतामे एकात्मकते एकर विशेषता रहलैक अछि। हिमालयसँ कन्याकुमारी धरि पसरल एहि विशाल देशमे जे नानाप्रकारक जाति, धर्म, भाषा, आचार-व्यवहार आदि अछि से सब मालामे गाँथल रंग-विरंगक फूल जकाँ अपन विशिष्ट सौन्दर्य आ सुगन्धिक रक्षा करैत समष्टि रूपसँ माला रूपी भारतीय संस्कृतिकेँ अभिनव सौन्दर्य आ सुगन्धि प्रदान करैत रहल अछि। राष्ट्रीयताक एक सूत्रमे गाँथल एहि विविधते सभसँ भारतीय संस्कृतिक इन्द्रधनुषी मनोहारी स्वरूपक निर्माण भेल अछि। भारतक ई एहन विशिष्टता थिक जे संसारक प्राय : आन कोनो देशकेँ नहि छैक। इऐह कारण थिक जे जरबन बाह्य आक्रमणक समक्ष संसारक कतिपय देशक सभ्यता ध्वस्त भऽ गेल, तरवन सैकड़ो वर्ष धरि बाह्य आक्रमणक सामना करैत भारत सफलतापूर्वक अपन संस्कृतिक रक्षा करैत रहल। इतिहास साक्षी अछि जे बाह्य आक्रमणक फलस्वरूप आन-आन देशक जे ज्ञान-विज्ञान, कला-कौशल आदि भारत पहुँचल तकरा सभकेँ भारतीय संस्कृति तेना कऽने अपना माटि-पानिमे मिला लेलक जे ओ नवीन परिवेशमे भारतीय संस्कृतिक अंग बनि गेल। शिल्पक गान्धार शैली संगीतक 'मियाँक-मल्लार,' 'मियाँक-टोडी' आदि राग तथा काव्यक क्षेत्रमे नवीन-नवीन शैलीक प्रादुर्भाव भारतीय संस्कृतिक उदार एवं समन्वयवादी दृष्टिकोणक ज्वलन्त उदाहरण अछि।













10. आरसी प्रसाद सिंहक रचनामे प्रकृतिक मानवीकरण भेल अछि। संक्षेपमे बुझाउ।

11. कोनो पाँच प्रमुख कथाकारक कृतिक उल्लेख करू।

12. कोनो पाँच निबन्धकारक कृतिसँ परिचय कराउ।

13. मैथिलीक संस्मरण साहित्य पर प्रकाश दिअ।

14. आधुनिक मैथिली कविताक विशेषता देखाउ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

15. 'द्वादशी' क आलोकमे मधुपजीक रचना-शिल्प पर विचार करू।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

16. 'पतन' खण्डकाव्यक विशेषता पर प्रकाश दिअ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

17. 'अश्रुकण'क मार्मिकता देखाउ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

18. यात्रीक उपन्यासमे निहित सामाजिक चेतनाक वर्णन करू।

19. मैथिली साहित्यक विकासमे 'मिथिला-मिहिर'क योगदानक वर्णन करू।

20. मायानन्द मिश्रक कथाक रोचकता देखाउ।

SECTION - III

खण्ड – III

**Note :** This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

**नोट :** एहि खंडमे प्रत्येक ऐच्छिक एकाइ/विशेषज्ञतासँ पाँच (5) प्रश्न अछि। परीक्षार्थीकेँ केवल एक ऐच्छिक एकाइ/विशेषज्ञताकेँ चयन कए ओहिमेसँ पाँचो प्रश्नक उत्तर देबाक अछि। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकक अछि, तथा जकर उत्तर लगभग दू सय (200) शब्दमे अपेक्षित अछि।

(12x5=60 अंक)

### ऐच्छिक / वैकल्पिक - I

#### विद्यापति

21. विद्यापतिक व्यापक प्रभावक समीक्षा करू।
22. विद्यापति पदावलीक लोकप्रियताक कारण स्पष्ट करू।
23. विद्यापतिक कवित्व शक्तिक विवेचन करू।
24. विद्यापतिक विरह वर्णन अत्यन्त मार्मिक भेल अछि - सयुक्ति विवेचन करू।
25. विद्यापतिक धार्मिक दृष्टिकोण पर प्रकाश दिअ।

### ऐच्छिक / वैकल्पिक - II

#### चन्दा झा

21. कविश्वर चन्दा झाकेँ 'व्यास' कहल जाइत अछि। युक्ति-युक्त विवेचन करू।
22. मिथिलाभाषा रामायणक विशेषता देखाउ।
23. कवीश्वर चन्दा झाक जीवनकाल पर प्रकाश दिअ।
24. मिथिलाभाषा रामायणक सुन्दर काण्डमे वर्णित हनुमानक पराक्रमक वर्णन करू।
25. कवीश्वर चन्दा झाक धार्मिक चेतना पर प्रकाश दिअ।

### ऐच्छिक / वैकल्पिक - III

#### आधुनिक नाटक

21. आधुनिक नाटकक विकासमे जीवन झाक स्थान निरूपित करू।
22. आधुनिक मैथिली नाटकक विशेषता पर प्रकाश दिअ।
23. मैथिली रेडियो रूपकक महत्व देखाउ।
24. 'भफाइत चाहक जिनगी'मे निहित सामाजिक परिस्थितिक चित्रण करू।
25. आधुनिक मैथिली नाटकक विकास क्रममे रंगमंचक भूमिका निरूपित करू।

ऐच्छिक / वैकल्पिक - IV

आधुनिक कविता

21. आधुनिक मैथिली कवितामे सम्प्रेषणक समस्या पर विचार करू।
22. आधुनिक मैथिली कविताक विकासमे चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'क अवदानक विश्लेषण करू।
23. मैथिली पद्य-संग्रह 'काव्य-वाटिका'क मूल्यांकन करू।
24. आधुनिक मैथिली कवितामे हास्य-व्यंग्यक मार्मिक चित्रण भेल अछि। सयुक्ति विवेचन करू।
25. आधुनिक मैथिली कविताक विकास-क्रम देखाउ।

ऐच्छिक / वैकल्पिक - V

कथा - उपन्यास

21. स्वातन्त्र्योत्तर मैथिली कथाक विकास यात्रासँ परिचय कराउ।
22. 'पृथा' कथा संग्रहक विशेषता देखाउ।
23. 'मरीचिका' उपन्यासक तात्विक विश्लेषण करू।
24. धीरेन्द्रक उपन्यासमे वर्णित सामाजिक परिस्थितिक चित्रण करू।
25. विभूति आनन्दक कथाक मार्मिकता देखाउ।





















SECTION - IV

खण्ड-IV

**Note :** This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

**नोट :** एहि खंडमे एक चालीस (40) अंकक निबन्धात्मक प्रश्न अछि, जकर उत्तर लगभग एक हजार (1000) शब्दमे कोनो एक विषय पर अपेक्षित अछि।

(40x1=40 अंक)

26. (क) आधुनिक मैथिली कविता

(ख) मैथिली महाकाव्य

(ग) मैथिली पत्र-पत्रिका

(घ) प्रो.हरिमोहन झा

(ङ) समाज ओ साहित्य।













FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....